



न्यायालय

सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी

गुढामालानी-बाड़मेर

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्या:- 2025 / 151

दर्ज तिथि:-17.04.2025

1. कालूराम पुत्र रूखमणाराम
2. राणाराम पुत्र रूखमणाराम
3. रामाराम पुत्र रूखमणाराम
4. रिडमलराम पुत्र रूखमणाराम
5. मगनीदेवी पत्नी रूखमणाराम
6. गोमाराम पुत्र लालाराम
7. बाबूलाल पुत्र लालाराम

कौम सुथार निवासी आडेल शिवनगर उर्फ पेमे की बेरी तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर
.....प्रार्थीगण

बनाम

1. चूनाराम पुत्र दानाराम
2. सवाईराम पुत्र दानाराम
3. लेहरोदेवी पत्नी दानाराम
4. राणाराम पुत्र खरथाराम
5. शेरुदेवी पत्नी खरथाराम
6. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार नोखड़ा
7. किशनाराम पुत्र धर्माराम
8. निम्बाराम पुत्र धर्माराम

जाति जाट निवासी आडेल शिवनगर उर्फ पेमे की बेरी तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर
.....अप्रार्थीगण

उपस्थित अधिवक्ता

प्रार्थी:- श्री चिमनसिंह चौधरी

अप्रार्थीगण:-एकतरफा

प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा-251ए

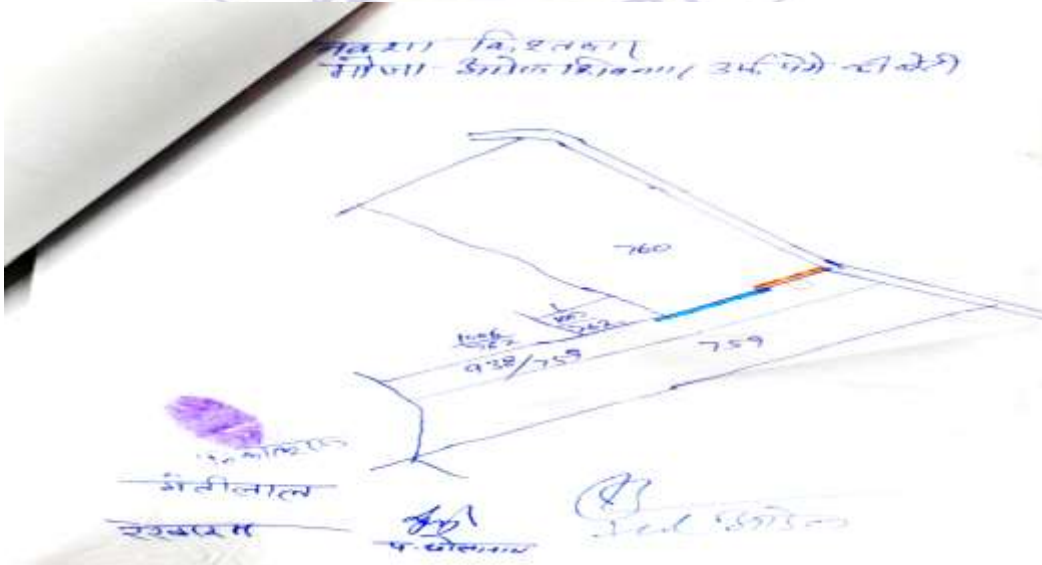
राजस्थान काश्तकारी अधि.-1955



:-निर्णय:-

निर्णय तिथि:-03.07.2025

1. आज यह पत्रावली प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251-क राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 वास्ते निर्णय पेश हुई। प्रकरण का सुक्ष्म वृतान्त इस प्रकार से है कि प्रार्थी द्वारा राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-'क' के अन्तर्गत एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी 1007/762/0.7042 है0 मौजा आडेल शिवनगर उर्फ पेमे की बेरी पटवार मण्डल धोलानाडा तहसील नोखड़ा में पहुँच के प्रयोजन के लिए मौके पर खसरा संख्या 938/759/3.4884 है0 मौजा आडेल शिवनगर उर्फ पेमे की बेरी तहसील नोखड़ा में से होते प्रार्थीगण के खेत तक विद्यमान रास्ता मौके पर चालू है। उक्त विद्यमान रास्ते में खसरा संख्या 938/759/3.4884 है0 मौजा आडेल शिवनगर उर्फ पेमे की बेरी तहसील नोखड़ा में प्रार्थीगण के आने हेतु रिकॉर्डेड रास्ते का अभाव है तथा विप्रार्थीगण वक्त काश्त उक्त खसरा में काश्त कर लेते हैं। जिससे प्रार्थीगण को अपने जोत तक आने-जाने से बाधित हो जाते हैं। अतः खसरा संख्या 938/759/3.4884 है0 मौजा आडेल शिवनगर उर्फ पेमे की बेरी तहसील नोखड़ा में से होकर नवीन रिकॉर्डेड रास्ता हेतु अनुतोष चाहा गया है। प्रार्थीगण का कथन है कि प्रार्थी की आराजीयात तक कोई रिकॉर्डेड रास्ता दर्ज रिकॉर्ड नहीं है तथा उक्त आवेदित रास्ते के अतिरिक्त अन्य कोई लघुत्तम मार्ग का विकल्प नहीं होने के कारण उक्त आवेदित रास्ते को रिकॉर्ड में दर्ज कर प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र स्वीकार किये जाने का निवेदन किया।
2. प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। बावजूद विधिवत तामिल के अप्रार्थीगण के अनुपस्थित रहने से अप्रार्थीगण के विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गई। प्रकरण में तहसीलदार नोखड़ा से हाजा न्यायालय के पत्रांक/कोर्ट/आरए/2025/265 दिनांक 12.05.2025 से राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955 के नियम 68 लगायत 70 के अनुसार मौका जाँच रिपोर्ट तलब की गई। प्रकरण में तहसीलदार नोखड़ा द्वारा पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/422 दिनांक 02.06.2025 को मौका रिपोर्ट तैयार कर प्रेषित की। जो कि शामिल मिसल की गई। तहसीलदार नोखड़ा द्वारा पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/422 दिनांक 02.06.2025 को मौका रिपोर्ट के साथ संलग्न नजरी नक्शा निम्न प्रकार है-



3. प्रकरण में तहसीलदार नोखड़ा द्वारा प्रेषित शामिल मिसल मौका रिपोर्ट पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/422 दिनांक 02.06.2025 के अवलोकन से ज्ञात हुआ कि तहसीलदार नोखड़ा द्वारा मौका स्थिति के अनुसार खसरा संख्या 760 में से प्रार्थीगण की खातेदारी आराजी में पहुंच हेतु रास्ता प्रस्तावित किया गया है। उपरोक्त पश्चात्वर्ती घटना को देखते हुए वकील प्रार्थीगण को खसरा संख्या 760 के खातेदारों को पक्षकार बनाकर उक्तानुसार संशोधन किये जाने की अनुमति प्रदान करते हुए खसरा संख्या 760 के खातेदारों को जरिये नोटिस तलब किया गया। परंतु बावजूद विधिवत तामिल के खसरा संख्या 760 के खातेदार अप्रार्थी संख्या 07 एवं 08 के अनुपस्थित रहने से अप्रार्थी संख्या 07 एवं 08 के विरुद्ध भी एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गई।
4. प्रकरण में विद्वान अभिभाषक प्रार्थीगण की जिरह सुनी गई। अभिभाषक प्रार्थी ने दौराने-ए-जिरह प्रार्थना-पत्र में अंकित तथ्यों को दौहराते हुए मुताबिक प्रार्थना-पत्र अनुतोष स्वीकार करते हुए प्रार्थना-पत्र स्वीकार करने का निवेदन किया।
5. प्रकरण में प्रार्थना पत्र के साथ तहसीलदार की मौका-रिपोर्ट का अवलोकन किया गया। बहस पर मनन किया गया। प्रकरण में तथ्यों का गहन विश्लेषण से पूर्व राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-'क' का उद्धरण यहाँ प्रतीत होता है-

251A. Laying of underground pipeline or opening a new way through another khatedar's holding or enlarging the existing way. - (1) Where -

(a) a tenant intends to lay an underground pipeline through the holding of another khatedar for the purpose of irrigation of his holding; or

(b) a tenant or a group of tenants intend to have a new way, or enlargement or widening of an existing way, through the holding of another khatedar to have access to his holding or, as the case may be, their holdings of and the matter is not settled by mutual agreement, the tenant or the tenants, as the case may be, may apply for such facility to the Sub-Divisional Officer concerned, and the Sub-Divisional Officer, if he is satisfied after a summary inquiry, that

(i) the necessity is absolute necessity and it is not for mere convenient enjoyment of holding; and

(ii) particularly in case of a new way through another khatedar's holding, that absence of alternative means of access proved may, be order, allow the applicant, to lay pipeline, at least three feet beneath the surface of the land, along 'the line demarcated or pointed out by the tenant who holds that land, or to have a new way. not wider than thirty feet, through the land on such track as pointed out by the tenant who holds that land, and if no such track is pointed out, through the shortest or nearest route, or to enlarge or widen the existing way, not exceeding up to thirty feet, on payment of such compensation as

may be determined by the Sub-Divisional Officer, in the prescribed manner, to the tenant who holds the land through which the right to lay pipeline or have a new way or enlarge or widen an existing way is granted or in lieu of payment of compensation, on transfer of land in exchange of equal area in the name of such tenant preferably having the same price and adjoining to his land.

(2) Where a right to have a new way or enlarge or widen an existing way is granted under sub-section (1), the tenancy in respect of the land comprising such way shall be deemed to have been extinguished and the land shall be recorded as rasta in the revenue records.

(3) The persons permitted to avail any of the facilities referred to in sub-section (1) shall not, by virtue of the said facility, acquire any other right in the holding through which such facility is granted.

5. इसी प्रकार राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-'क' के प्रावधानों की क्रियान्विति हेतु बनाये गये राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955 के नियम 68 लगायत 70 का उद्धरण करना यहां प्रासंगिक प्रतीत होता है जो इस प्रकार है-

68. Application under Sec. 251-A. - *An application for grant of permission under sub-sec. (1) of 251-A of the Act shall be in Form 1.*

69. Enquiry and disposal of application. - *On receipt of an application in Form 1, the Sub-Divisional Officer shall either inspect the site himself or get it inspected by an officer not below the rank of the Inspector Land Records and invite objections from the affected persons. The Sub-Divisional Officer after affording an opportunity of being heard to the parties and making such further enquiry, as he thinks necessary, if satisfied that-*

(i) the necessity is absolute necessity and it is not for mere convenient enjoyment of holding; and

(ii) particularly in case of a new way through another khatedar's holding, that absence of alternative means of access is proved, may allow the application. The application shall be decided by the Sub-Divisional Officer within 90 days from the date of application.

70. Determination of compensation. - *(1) The amount of compensation payable under sub-sec. (1) of Sec. 251-A of the Act, shall be determined in the following manner:-*

(i) if the parties mutually agree on the amount of compensation, the Sub-Divisional Officer, shall determine the amount of compensation as per the mutual agreement.

(ii) if the parties do not agree mutually on the amount of compensation, the Sub-Divisional Officer shall determine the amount of compensation for the land equivalent to-

(a) two times of the rates recommended by the District Level Committee constituted under clause (b) of sub-rule (D) of Rule 2 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004 or the rates determined by the State Government under sub-rule (2) of Rule 58 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004, in the matter of a new way or enlargement or widening of an existing way; and

(b) 10% of the rates recommended by the District Level Committee; constituted under clause (b) of sub-rule (1) of Rule 2 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004 or the rates determined by the State Government under sub-rule (2) of Rule 58 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004, in the matter of laying underground pipeline.

(2) In addition to the value of land determined under clause (a) or (b) of sub-rule j (1), if any loss or damages caused due to removal of standing trees, crops or structure, the amount of actual loss or damages shall also be determined.

6. उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क एवं राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955, के नियम 68 लगायत 70 के उद्धरण से स्पष्ट है कि धारा 251-क के अन्तर्गत कोई खातेदार अपनी आराजी तक कृषि कार्य बाबत आमद-रफ्त हेतु अन्य खातेदारों की आराजी में से होकर रास्ता रिकॉर्डड अंकित करवा सकता है। इस हेतु उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क निम्न पूर्वशर्तों को आरोपित करती है जो इस प्रकार है-

1. प्रार्थी की रास्ते बाबत अन्य रिकॉर्डड रास्ते के विकल्प की अनुपस्थिति।
2. खातेदार की रास्ते बाबत आत्यान्तिक आवश्यकता।
3. लघुत्तम दूरी का नवीन मार्ग के विकल्प का प्रस्ताव।

6. राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-251-क एवं राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम-1955, के नियम 68 लगायत 70 द्वारा अध्यारोपित उक्त पूर्वशर्तों के तहत प्रकरण का विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है। सर्वप्रथम उक्त प्रकरण में प्रार्थी ने अपने प्रार्थना पत्र के पैरा संख्या-3 में रास्ते की आत्यान्तिक आवश्यकता का जिक्र किया है तथा अन्य वैकल्पिक रास्ते की अनुपलब्धता का जिक्र किया गया है। साथ ही तहसीलदार नोखड़ा द्वारा प्रेषित शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/422 दिनांक 02.06.2025 से इस तथ्य की पूर्णरूप से पुष्टि होती है। इस प्रकार प्रार्थी के प्रार्थना पत्र एवं तहसीलदार नोखड़ा द्वारा प्रेषित शामिल मिसल मौका रिपोर्ट पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/422 दिनांक 02.06.2025 के अवलोकन से प्रथमदृष्टया प्रतीत होता है कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 1007/762/0.7042 है0 मौजा आडेल शिवनगर उर्फ पेमे की बेरी पटवार मण्डल धोलानाडा तहसील नोखड़ा तक पहुंचने हेतु रिकॉर्डड रास्ता दर्ज रिकॉर्ड नहीं है। अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 760 एवं 938/759 मौजा आडेल शिवनगर उर्फ पेमे की बेरी तहसील नोखड़ा में प्रार्थीगण के आने हेतु रिकॉर्डड रास्ते का

अभाव है। उक्त प्रस्तावित रास्ते के अतिरिक्त अन्य वैकल्पिक रिकॉर्डेड रास्ता की अनुपस्थिति रिकॉर्ड एवं तहसीलदार नोखड़ा द्वारा प्रेषित शामिल मिसल मौका रिपोर्ट पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/422 दिनांक 02.06.2025 के अवलोकन से स्पष्ट है। साथ ही प्रार्थी को प्रार्थना पत्र एवं तहसीलदार नोखड़ा द्वारा प्रेषित शामिल मिसल मौका रिपोर्ट पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/422 दिनांक 02.06.2025 अनुसार रास्ते की अत्यांतिक आवश्यकता प्रतीत होती है। अतः उक्त विश्लेषण के अनुसार शर्त संख्या 1 व 2 की पूर्णरूप से पुष्टि होती है। इस प्रकार अतः प्रार्थी का नवीन रास्ते बाबत अनुतोष स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित शर्त संख्या 1 व 2 की पूर्णरूप से पुष्टि होने से प्रार्थी की आराजी तक नवीन रास्ता रिकॉर्ड में दर्ज करने का अनुतोष स्वीकार किया जाता है। अब इसके पश्चात तृतीय शर्त बिन्दु पर विश्लेषण किया जाना है कि उक्त नवीन रास्ता किस आराजी में से होकर किस रूट से होकर कितनी चौड़ाई का लघुत्तम मार्ग रास्ता का अनुतोष स्वीकार किया जाना है।

7. इस प्रकार राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित तीसरी शर्त के अनुसार नवीन रास्ते हेतु लघुत्तम मार्ग का विकल्प पर विचार किया जाना आवश्यक है। प्रकरण में प्रार्थी द्वारा प्रार्थी की खातेदारी आराजी 1007/762/0.7042 है0 मौजा आडेल शिवनगर उर्फ पेमे की बेरी पटवार मण्डल धोलानाडा तहसील नोखड़ा में पहुँच के प्रयोजन के लिए मौके अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 760 एवं 938/759 मौजा आडेल शिवनगर उर्फ पेमे की बेरी तहसील नोखड़ा में रिकॉर्डेड रास्ते का अभाव है। अतः प्रार्थीगण द्वारा अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 760 एवं 938/759 मौजा आडेल शिवनगर उर्फ पेमे की बेरी तहसील नोखड़ा में से होकर नवीन रिकॉर्डेड रास्ता हेतु निवेदन किया है। साथ ही प्रकरण में 1007/762/0.7042 है0 मौजा आडेल शिवनगर उर्फ पेमे की बेरी पटवार मण्डल धोलानाडा तहसील नोखड़ा 1007/762/0.7042 है0 मौजा आडेल शिवनगर उर्फ पेमे की बेरी पटवार मण्डल धोलानाडा तहसील नोखड़ा द्वारा अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 760 एवं 938/759 मौजा आडेल शिवनगर उर्फ पेमे की बेरी तहसील नोखड़ा से होकर 05 मीटर चौड़ाई में लघुत्तम मार्ग को प्रस्तावित किया गया है। तहसीलदार नोखड़ा द्वारा प्रेषित शामिल मिसल मौका रिपोर्ट पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/422 दिनांक 02.06.2025 के अवलोकन अनुसार प्रार्थीगण द्वारा आवेदित तथा तहसीलदार नोखड़ा द्वारा प्रेषित शामिल मिसल मौका रिपोर्ट पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/422 दिनांक 02.06.2025 तहसीलदार नोखड़ा द्वारा प्रेषित शामिल मिसल मौका रिपोर्ट पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/422 दिनांक 02.06.2025 में अंकित रास्ता का मार्ग ही लघुत्तम मार्ग प्रतीत होता है। प्रार्थी द्वारा आवेदित एवं तहसीलदार नोखड़ा द्वारा प्रेषित शामिल मिसल मौका रिपोर्ट पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/422 दिनांक 02.06.2025 में अंकित प्रस्तावित रास्ता मौके पर चालू कट्टाण रास्ते से जुड़ाव रखता है। अतः राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित तीसरी शर्त के अनुसार नवीन रास्ते हेतु लघुत्तम मार्ग का विकल्प मुताबिक तहसीलदार नोखड़ा द्वारा प्रेषित शामिल मिसल मौका रिपोर्ट पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/422 दिनांक 02.06.2025 द्वारा प्रस्तावित मार्ग का विकल्प को स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है।

8. उक्त प्रकरण में राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के विधिक प्रावधानों के सन्दर्भ में प्रार्थीगण हेतु रास्ते की अत्यान्तिक आवश्यकता एवं वैकल्पिक रिकार्डेड रास्ते हेतु अनुपलब्धता एवं तहसीलदार नोखड़ा द्वारा प्रेषित शामिल मिसल मौका रिपोर्ट पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/422 दिनांक 02.06.2025 को प्रेषित की गई मौका जाँच रिपोर्ट मय नजरी नक्शा के आधार पर प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क काबिल-ऐ स्वीकार है। अतः तहसीलदार नोखड़ा द्वारा प्रेषित शामिल मिसल मौका रिपोर्ट पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/422 दिनांक 02.06.2025 की मौका जाँच रिपोर्ट मय नजरी नक्शा के अनुसार प्रस्ताव लघुत्तम मार्ग बतौर 05 मीटर चौड़ाई में गैर मुमकिन रास्ता नियमानुसार भूमि एवं निर्माण, अगर कोई हो तो, की क्षतिपूर्ति राशि भुगतान पश्चात् राजस्व रिकार्ड में दर्ज किया जाना न्यायसंगत प्रतीत होता है। अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः

आदेश है कि

प्रार्थना पत्र राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क के अन्तर्गत प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र तहसीलदार नोखड़ा के पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/422 दिनांक 02.06.2025 द्वारा प्रेषित की गई मौका जाँच रिपोर्ट मय नजरी नक्शा के अवलोकन पश्चात् विश्लेषित निष्कर्ष प्रार्थीगण हेतु रास्ते की अत्यान्तिक आवश्यकता एवं वैकल्पिक रिकार्डेड रास्ते हेतु अनुपलब्धता के आधार पर स्वीकार किया जाता है एवं तहसीलदार नोखड़ा को आदेश दिये जाते हैं कि पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2025/422 दिनांक 02.06.2025 द्वारा प्रेषित मौका जाँच रिपोर्ट में आराजी हाल खसरा संख्या 760 एवं 938/759 मौजा आडेल शिवनगर उर्फ पेमे की बेरी तहसील नोखड़ा में अंकित प्रस्ताव में इंगित गुलाबी एवं आसमानी रंग से प्रदर्शित लम्बाई एवं 05 मीटर चौड़ा रास्ते में आयी भूमि एवं निर्माण के एवज में राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955 के नियम-70 के अनुसार क्षतिपूर्ति राशि अंकलित कर नियमानुसार क्षतिपूर्ति राशि के भुगतान अथवा प्रार्थी द्वारा उक्त नवीन रास्ते में आयी भूमि के एवज में समान अवस्थिति पर समान रकबे की भूमि का विकल्प के आधार पर पश्चात् नियमानुसार उक्त नवीन रास्ते को खाता संख्या-1 सिवायचक में सार्वजनिक उपयोग हेतु किस्म गैर मुमकिन रास्ता दर्ज कर अंकन किया जावे। तहसीलदार नोखड़ा द्वारा प्रेषित पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2025/422 दिनांक 02.06.

**2025 की मौका जाँच रिपोर्ट व नजरी नक्शा
निर्णय का अनन्य भाग रहेगा।**

उक्त निर्णय की पालना हेतु एक प्रति तहसीलदार नोखड़ा को भिजवायी जावे।

यह आदेश आज दिनांक 03.07.2025 को लिखवाया जाकर सरे-इजलास सुनाया गया एवं अधोहस्ताक्षकर्ता की मुहर व हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस)
सहायक कलक्टर
गुढामालानी-बाड़मेर

